परिप्रेक्ष्य

सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज : इतिहास और अनुभव

हरियाणा के सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेजों का समग्र इतिहास राज्य की उच्चतर शिक्षा के उद्‌भव एवं विकास की प्रेरक-गाथा समेटे है। इन कॉलेजों के संस्थापकों-निर्माताओं की निष्काम सामाजिक चेतना ने शिक्षा के क्षेत्र में सामुदायिक भागीदारी की शानदार इबारत लिखी है। इन्हीं संस्थाओं के जरिए हरियाणा में लोकतान्त्रिक मूल्य व राष्ट्रीय चेतना विकसित हुई। ये संस्थाएं इतिहास के उस दौर की तर्जमानी करती हैं, जब समाज के अग्रणीय वर्ग ने सम्पूर्ण समाज के हित में स्वैच्छिक रूप से विभिन्न स्तरों पर शिक्षा के प्रचार-प्रसार का दायित्व स्वीकार किया।

आज के हरियाणा में सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेजों के इतिहास का एक अविस्मरणीय दौर अविभाजित भारत के संयुक्त पंजाब तक जाता है। देश-विभाजन की त्रासदी से गुजरते हुए 50-60 के दशक में और फिर 1966 के बाद के दौर से आज तक इन संस्थाओं की गौरवमय विकास-यात्रा जारी है। **हरियाणा राज्य की विभिन्न सरकारों व हमारे राजनीतिक नेतृत्व ने इन्हें फलने-फूलने में भरपूर सहयोग दिया है।** प्रारम्भिक व सबसे कठिन दौर में प्रबन्ध-समितियों, प्राचार्यों, शिक्षकों व स्टाफ ने वित्तीय अभावों व अन्य अनेक दबावों को झेलते हुए प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत से इन्हें शिक्षा के उत्कृष्ट केन्द्रों के तौर पर प्रतिष्ठित किया। यही वजह है कि आज भी इन संस्थाओं के सामाजिक अनुबंध अक्षुण्ण हैं और **अधिकांश जगहों पर इन संस्थाओं का स्थानीय सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन के साथ गहरा व स्थायी सम्बन्ध बन चुका है।** हरियाणा में ज्ञानोदय (Enlightenment) की प्रक्रिया में इन संस्थाओं को केन्द्रीय महत्त्व है।

हरियाणा की पहली पीढ़ी को शिक्षित करने का श्रेय इन्हीं संस्थाओं को है। उसके बाद पीढ़ी दर पीढ़ी शिक्षा के प्रसार का यह उपक्रम आज तक जारी है। आजादी से पहले केवल लाहौर-दिल्ली ही उच्च शिक्षा के केन्द्र थे। इस धारा ने छोटी-छोटी जगहों और पूरे प्रदेश के हर जिले-कस्बे में उच्च शिक्षा को संभव बनाया। इन संस्थाओं का महत्त्व तो लड़कियों व युवाओं की उन पीढ़ियों का पता है जो इन संस्थाओं के न होने पर कभी पढ़ ही नहीं सकते थे। बिना किसी भेदभाव के समाज के सभी तबकों विशेषत: हमारी बेटियों व अन्य सभी उपेक्षित-वंचित युवाओं को इन संस्थाओं का लाभ लगातार पहुंच रहा है।

वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के मार्ग-दर्शन के लिए इन संस्थाओं की नींव के पत्थर रहे महान व्यक्तियों के योगदान और उनकी सोच को समय के पृष्ठों पर दर्ज़ करना बहुत जरूरी है। इन संस्थाओं को प्रतिष्ठा दिलाने वाली प्रबन्ध समितियों, प्राचार्यों और शिक्षकों के अनुभवों को सम्पूर्ण

ऐतिहासिकता के साथ हमें सहेज कर रखना होगा।

आर्थिक उदारीकरण के दौर में मुनाफाखोर निजी पूंजी से चलने वाली नई तरह की संस्थाओं द्वारा 'शिक्षक' का अवमूल्यन कर जब उसे महज एक 'ज्ञान-कर्मी' (Knowledge- Worker) बना दिया गया है। उधर नई पीढ़ी के शिक्षक अपने इतिहास से अनभिज्ञ हैं। ऐसे में पब्लिक फंडिड सिस्टम के पुरानी पीढ़ी के शिक्षकों के आदर्शों को पुन:स्थापित करने की जरूरत और भी बढ़ जाती है। लोक कल्याणकारी नीतियों से विचलन के बाद निजी पूंजी की भागीदारी वाला पी.पी.पी. (पब्लिक-प्राइवेट-पार्टनरशिप) का मॉडल तमाम शक्लों में हमारे सामने है। इसकी तुलना में सामुदायिक भागीदारी का हमारा यह मॉडल **स्वतन्त्रता-संग्राम और नवजागरण के मूल्यों से पोषित है। परस्परता, सामूहिक भागीदारी, समाजोन्मुखता सामुदायिकता, जरूरतमंदों व वंचितों के प्रति संवेदनशीलता व जिम्मेदारी की भावना, उदार-लोकतान्त्रिक राष्ट्रीय चेतना इस मॉडल के मूलाधार हैं।** 'प्रतिस्पर्धा' और 'गुणवत्ता' को मापने के लिए इन आधारों के सिवा कोई और मापदण्ड नहीं है।

राष्ट्रीयता और सामाजिकता के ये मूल्य कई बार हमें धूमिल होते दिखते हैं। कुहासे व घटाटोप में छुपे इन्हीं मूल्यों को फिर से स्थापित करना है। **आदरणीय संस्थापकों, प्रबन्ध समितियों, प्राचार्यों, टीचिंग-नॉन टीचिंग स्टाफ की स्वैच्छिक सामाजिक अनुबंधता से प्रेरणा लेकर हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन ने इन कॉलेजों का इतिहास संजोने की जिम्मेदारी ली है।** जाहिर है यह प्रयास महज तथ्यों का दस्तावेजीकरण नहीं होगा न ही आंकड़ों का संग्रह। **हमारी इन संस्थाओं का इतिहास और पुरानी पीढ़ी के अनुभव आकाशदीप की भांति हमारा पथ-प्रदर्शन करते रहेंगे।**

इस इतिहास का प्रकाशन, विमोचन व वितरण शानदार ढंग से बड़े स्तर पर किया जायेगा। हरियाणा के सभी कॉलेजों, यूनिवर्सिटियों, शिक्षा से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति तक इस इतिहास को पहुंचाया जायेगा।

संलग्न प्रारूप के अनुसार और इसके अतिरिक्त कुछ भी जो आप उचित समझें, कृपया हमें 20 जनवरी 2013 तक भेज दें। कृपया हार्ड के साथ सॉफ्ट कॉपी भेजने का भी कष्ट करें। सामग्री हिन्दी या अंग्रेजी में भेजी जा सकती है। हिन्दी की सामग्री हमें (Krutidev-10) में तथा अंग्रेजी की सामग्री (Times New Roman) फोन्ट में तथा PageMaker में ही भेजने का कष्ट करें

पता : डॉ. रविन्द्र गासो (महासचिव, हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन)
2545/8, शीला कालोनी, अमीन रोड, कुरुक्षेत्र -136118
फोन : 094161-10679
E-mail : gassoravinder@gmail.com

सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज : इतिहास और अनुभव

कॉलेज का पूरा परिचय परिचय कॉलेज की पहचान व प्रासंगिकता पर केन्द्रित हो।

ढांचागत सुविधाओं व अध्ययन-अध्यापन के लिए उपयोगी चीजों, वातावरण व उपलब्धि का सर्वेक्षणात्मक ब्यौरा हो।

निर्माणकर्त्ता / संस्थापक :

कॉलेज की स्थापना कब हुई ? किन महानुभावों ने की ?

किन उद्देश्यों को लेकर स्थापना की गई ?

समय-समय पर किन लोगों ने कैसे-कैसे योगदान दिया।

योगदान देने वाले प्रमुख संस्थापकों, प्रबन्ध समितियों, पूर्व प्राचार्यों पुरानी पीढ़ी के शिक्षकों व स्टाफ का सर्वेक्षणात्मक परिचय।

शैक्षणिक विकास यात्रा :

कॉलेज कब शुरू हुआ, प्रारम्भ में कितने कोर्स व विद्यार्थी थे। बाद में कोर्स व छात्र-संख्या की वृद्धि का क्रम।

☞ अकादमिक उत्कृष्टता/उपलब्धियाँ

☞ पाठेत्तर कार्यक्रम/उपलब्धियाँ

☞ प्रमुख पूर्व छात्रों का संक्षिप्त विवरण

अब तक आपके कॉलेज से कितने विद्यार्थियों* ने डिग्री प्राप्त की है :

कोर्स का नाम :					
कुल संख्या :					
लड़कियाँ	एस.सी./एस.टी.	पिछड़ा वर्ग	अल्पसंख्यक	बीपीएल	ग्रामीण

** अगर पूरे आंकड़े न हों तो 'संभवत:' संख्या लिख दें।*

वर्तमान छात्र-संख्या :

कोर्स का नाम :					
कुल संख्या :					
लड़कियाँ	एस.सी./एस.टी.	पिछड़ा वर्ग	अल्पसंख्यक	बीपीएल	ग्रामीण

नॉन टीचिंग स्टाफ :

1. एडिड स्टाफ 2. एडिड खाली पद 3. सैल्फ फाइनैंस स्टाफ

टीचिंग स्टाफ :

1. एडिड स्टाफ 2. एडिड खाली पद 3. सैल्फ फाइनैंस / पार्ट टाईम शिक्षक

प्रिंसीपल, टीचिंग स्टाफ की जानकारी :

(क) शिक्षक/प्रिंसीपल का नाम ____________________

(ख) विषय ____________________

(ग) शैक्षणिक योग्यता ____________________

(घ) कुल शैक्षणिक अनुभव ____________________

(ङ) सेवानिवृत्ति ____________________

(च) फोन ____________________ (छ) ई-मेल पता ____________________

नॉन टीचिंग स्टाफ (एडिड) :

(क) नाम ____________________

(ख) पद ____________________ (ग) सेवानिवृत्ति ____________________

(घ) फोन ____________________ (च) ई-मेल पता ____________________

प्राचार्य व शिक्षकों की अकादमिक उपलब्धियों का ब्यौरा :

शोधादि व पाठेत्तर इत्यादि उपलब्धियां

नोट : कॉलेज के इतिहास व वर्तमान की प्रमुख फोटोग्राफ भी अवश्य भेजें।

Regd. No. 185

Haryana College Teachers' Assocation

(Affiliated to AIFUCTO)
website : www.hcta.in

Dr. Narender Chahar
President
Vaish College, Bhiwani
Mob. : 098133-26900
Email : narenderchahar11@gmail.com

Dr. Ravinder Gasso
General Secretary
D.A.V. College, Pundri (Kaithal)
Mob. : 094161-10679
Email : gassoravinder@gmail.com

Ref. No.................. ***Dated...................***

परम आदरणीय

सादर नमस्ते!

नव वर्ष 2013 की हार्दिक शुभकामनाओं

हमें यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि आप सभी की प्रेरणा से हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन ने **'हरियाणा के सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज : इतिहास और अनुभव'** पुस्तक प्रकाशित करने का निर्णय लिया है।

इसका परिप्रेक्ष्य-पत्र व प्रारूप संलग्न है। यह बहुत बड़ा कार्य है, जिसे हम आपके सहयोग के बिना सम्पन्न नहीं कर पायेंगे। आपसे विनम्र अनुरोध है कि आप अपने कॉलेज सम्बन्धी सभी जानकारियां (संलग्न प्रपत्र के अनुसार) हमें भिजवाने का कष्ट करें।

अत्यन्त आदर के साथ

आपका

डॉ. रविन्द्र गासो

पत्राचार के लिए पता :
2545/8, शीला कालोनी, अमीन रोड,
कुरुक्षेत्र -136118

Regd. No. 185

Haryana College Teachers' Assocation

(Affiliated to AIFUCTO)
website : www.hcta.in

Dr. Narender Chahar
President
Vaish College, Bhiwani
Mob. : 098133-26900
Email : narenderchahar11@gmail.com

Dr. Ravinder Gasso
General Secretary
D.A.V. College, Pundri (Kaithal)
Mob. : 094161-10679
Email : gassoravinder@gmail.com

Ref. No.................... ***Dated....................***

FOR CIRCULATION AMONG UNIT MEMBERS

प्यारे दोस्तो !

वर्ष 2013 की आप व आपके परिवार को हार्दिक मंगल कामनाएं।

11.12.2012 को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में डॉ. नरेन्द्र चाहर की अध्यक्षता में पदाधिकारियों की मीटिंग में 22.11.2012 से 8.12.2012 तक हुए विभिन्न जोनों के चुनावों का अनुमोदन किया गया। पदाधिकारियों की ओर से नवनिर्वाचित जोनल पदाधिकारियों (सूचि संलग्न है) को हार्दिक बधाई दी गई।

1. निर्णय लिया गया कि हरियाणा के 97 सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेजों का इतिहास, उसकी पूरी समग्रता में प्रकाशित किया जाए। इस बड़े कार्य के लिए सभी यूनिटों से अनुरोध है कि वे अपनी विशेष मीटिंग बुलाकर संलग्न परिप्रेक्ष्य-पत्र व प्रारूप पर विचार-विमर्श करें। सभी सदस्यों से इस बारे में सुझाव आमंत्रित हैं। **यूनिट प्रिंसीपल से कॉलेज संबंधी जानकारियां तत्काल भिजवाने का निवेदन करेगी। कॉलेज की यूनिट का इतिहास अर्थात् पुराने साथियों के संघर्षों की स्मृतियों व अन्य संघर्षों को भी लिखकर भेजने का कष्ट करें।**
2. मीटिंग में निम्नलिखित पदाधिकारियों को मनोनीत करने का निर्णय लिया गया।
    1. **डॉ. इन्द्र सिंह**, एम.के.जे.के. कॉलेज, कलानौर
    2. **प्रो. एस.एस. ढिल्लों**, सी.आर.एम. जाट कॉलेज, हिसार
    3. **डॉ. दलबीर सिंह**, डी.ए.वी. कॉलेज सढौरा
    4. **प्रो. सज्जन सिंह**, जी.एम.एन. कॉलेज, अम्बाला कैंट
    5. **डॉ. राजबीर पाराशर**, आर.के.एस.डी. कॉलेज, कैथल (विशेष आमंत्रित)
    6. **प्रो. अतर सिंह**, सी.आर.एम. जाट कॉलेज, हिसार (विशेष आमंत्रित)
3. सिरसा, चौ. देवीलाल यूनिवर्सिटी जोन से **प्रो. सुबे सिंह**, श्री गुरु हरिसिंह कॉलेज, श्री जीवन नगर (सिरसा) को संगठन सचिव मनोनीत किया गया।

एच.सी.टी.ए. जिन्दाबाद ! शिक्षक एकता जिन्दाबाद !

आपका

डॉ. रविन्द्र गासो

Regd. No. 185

Haryana College Teachers' Assocation

(Affiliated to AIFUCTO)
website : www.hcta.in

Dr. Narender Chahar
President
Vaish College, Bhiwani
Mob. : 098133-26900
Email : narenderchahar11@gmail.com

Dr. Ravinder Gasso
General Secretary
D.A.V. College, Pundri (Kaithal)
Mob. : 094161-10679
Email : gassoravinder@gmail.com

Ref. No................... ***Dated....................***

कार्यकारिणी की मीटिंग 13/1/2013

नव वर्ष 2013 की हार्दिक शुभकामनाएं!

हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन की राज्य कार्यकारिणी की मीटिंग 13 जनवरी 2013 को दयाल सिंह कॉलेज करनाल में 11 बजे रखी गई है। आप सक्रिय भागीदारी के लिए सादर आमंत्रित हैं।

एजेण्डा :

1. अब तक की गतिविधियों की रिर्पोटिंग
2. 'सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज : इतिहास और अनुभव' पुस्तक का प्रकाशन
3. अन्य कोई मुद्दा प्रधान जी की अनुमति से।

(डॉ. रविन्द्र गासो)